

स्वच्छता जागरुकता कार्यक्रम

दिनांक: 28 सितम्बर, 2024



कार्यक्रम प्रतिवेदन

आयोजक

महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम
28 सितम्बर, 2024

अध्यक्ष

आचार्य सत्यकाम
माननीय, कुलपति, उ०प्र०राजर्षि टण्डना मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुख्य अतिथि

श्रीमती सीमा सत्यकाम

वक्ता

डॉ. दीपा चौबे, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र (समूह-1)
डॉ. धर्मवीर सिंह, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र (समूह-2)
डॉ. रविन्द्र प्रताप सिंह, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र (समूह-3)

कार्यक्रम निदेशक

प्रो० आशुतोष गुप्ता, निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा

संयोजक

प्रो. श्रुति, प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

सह-संयोजक

डॉ. आनन्दानन्द त्रिपाठी, सह-प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

आयोजन सचिव

डॉ. त्रिविक्रम तिवारी, सहायक-प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

सह आयोजन सचिव

डॉ. साधना श्रीवास्तव, सहायक-प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

आयोजन समिति

डॉ. स्मिता अग्रवाल, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. अतुल कुमार मिश्रा, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
श्री राजेश गौतम सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ अनिल कुमार यादव, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. दीपमाला गुप्ता, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. अब्दुल रहमान, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. सफीना सामवी, सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

कार्यक्रम सहयोगी सदस्य

श्री अंकित मिश्रा, श्री वीरेन्द्र वर्मा, श्री अनूप कुमार, श्री अमित शर्मा, श्री मनीष यादव व श्री संतोष कुमार

अनुक्रमणिका

1. प्रतिवेदन
2. मुख्य वक्ता के वक्तव्य
परिशिष्टियाँ (1 से 5)
 1. समाचार पत्रों की सुर्खियाँ (परिशिष्ट-1)
 2. मुक्त चिंतन (परिशिष्ट-2)
 3. उपस्थिति पत्रक (परिशिष्ट-3)
 4. प्रेषित पत्र (परिशिष्ट-4)
 5. कार्यक्रम की झलकियाँ (परिशिष्ट-5)

स्वच्छता जागरुकता कार्यक्रम प्रतिवेदन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र के तत्वावधान में विज्ञान विद्याशाखा द्वारा गोद लिये गाँव गोहरी के 09 भिन्न-भिन्न ऑगनबाड़ियों में दिनांक 28 सितम्बर, 2024 को "स्वच्छता ही सेवा" अभियान के अन्तर्गत 'स्वच्छता जागरुकता कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। प्रो० श्रुति ने बताया कि, भारत में स्वच्छता मिशन को 'स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) तथा स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) द्वारा क्रियान्वित किया जा रहा है। WHO के अनुसार स्वच्छता उन स्थितियों और प्रथाओं को संदर्भित करती है जो स्वास्थ्य को बनाये रखने और बिमारियों के प्रसार को रोकने में मदद करती है।' स्वच्छता केवल व्यक्तिगत सफाई तक ही सीमित नहीं है वरन् इसमें पर्यावरणीय स्वच्छता, व्यक्तिगत स्वच्छता, घरेलू स्वच्छता, सामाजिक स्वच्छता आदि भी समाहित हैं। वर्ष 2012 में रियो दी जनेरो, ब्राजील में संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन में सतत् विकास लक्ष्य (Sustainable Development Goals) प्रथम बार सभी देशों के सतत् विकास के लिए प्रस्तावित हुए थे। जिसके 6वें लक्ष्य में "Clean Water & Sanitation" भी है, जिसे 2030 तक पाने का लक्ष्य रखा गया है। जिसका उद्देश्य सभी के लिए स्वच्छ पानी और स्वच्छता की उपलब्धता और उसका टिकाऊ प्रबंधन सुनिश्चित करना है। भारत में 01 जनवरी 2015 को नीति आयोग की स्थापना की गयी तथा इस सतत् विकास के लक्ष्य प्राप्ति का वर्ष 2030 निर्धारित किया गया।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में डॉ. आनन्दानन्द त्रिपाठी, सह-प्रभारी महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र ने सभी का स्वागत किया तथा कार्यक्रम के महत्व के बारे में बताया कि माननीय प्रधानमंत्री ने स्वच्छ भारत मिशन की शुरुआत करते हुये कहा था कि "एक स्वच्छ भारत के द्वारा ही देश महात्मा गाँधी की 150वीं जयंती पर अपनी सर्वोत्तम श्रद्धांजली दे सकते हैं।" 02 अक्टूबर 2014 को स्वच्छ भारत मिशन देश भर में व्यापक तरीके से राष्ट्रीय आंदोलन के रूप में शुरु किया गया। इसी क्रम में इस वर्ष भी 17 सितम्बर 2024 से 02 अक्टूबर 2024 "स्वच्छता



ही सेवा” अभियान “स्वाभाव स्वच्छता–संस्कार स्वच्छता” की थीम के साथ मनाया जा रहा है।

स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम में श्रीमती सीमा सत्यकाम, मुख्य अतिथि रहीं। प्रो. श्रुति ने मुख्य अतिथि को कार्यक्रम के क्रियान्वयन से अवगत कराते हुए बताया कि यह कार्यक्रम गोहरी गाँव की सभी 09 अलग–अलग आँगनवाड़ियों में एक साथ संचालित होगा जिसके लिए केन्द्र के सदस्यों को तीन अलग–अलग समूहों में बाँटा गया है। प्रथम समूह में, प्रो. श्रुति, डॉ. दीपा चौबे, श्री राजेश गौतम, डॉ. अनिल कुमार यादव, श्री अंकित मिश्रा, श्री अमित शर्मा, द्वितीय समूह में डॉ. आनन्दानन्द त्रिपाठी, डॉ. साधना श्रीवास्तव, डॉ. धर्मवीर सिंह, डॉ. अब्दुल रहमान, श्री वीरेन्द्र वर्मा, श्री मनीष यादव तथा तृतीय समूह में डॉ. त्रिविक्रम तिवारी, डॉ. अतुल कुमार मिश्रा, डॉ. आर.पी. सिंह, डॉ. दीपमाला गुप्ता, डॉ. सफीना सामवी, श्री अनूप कुमार तथा श्री संतोष हैं। प्रथम समूह आँगनवाड़ी केन्द्र संख्या 02,04 एवं 08, द्वितीय समूह 03, 05 एवं 06 तथा तृतीय समूह केन्द्र संख्या 01,07 एवं 09 (मिनी) में कार्यक्रम को संचालित करेंगे।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि स्वयं प्रथम समूह के साथ आँगनवाड़ी केन्द्रों पर जाकर महिलाओं से परिचय प्राप्त किया तथा उनकी शैक्षिक योग्यता के बारे में बातचीत की तथा उन्हें आगे पढ़ने तथा शिक्षा से होने वाले लाभों के बारे में अवगत कराया। डॉ. दीपा चौबे ने बच्चों एवं महिलाओं को साफ–सफाई आदि के बारे में जागरूक करते हुए बिमारियों से कैसे बचा जाय एवं किस प्रकार से हम अपने स्वास्थ्य का ध्यान साफ–सफाई के माध्यम से कर सकते हैं आदि के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा की।



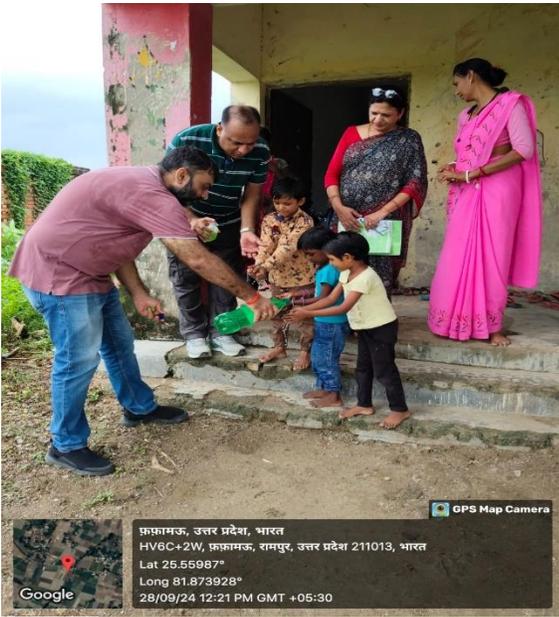
कार्यक्रम संयोजक प्रो० श्रुति प्रभारी महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र ने आँगनवाड़ी की कार्यकर्त्रियों, सहायिकाओं तथा वहाँ उपस्थिति महिलाओं एवं बच्चों को स्वच्छता सामग्री (तौलिया, साबुन, नेल कटर, हैण्डवाश आदि) वितरित किया तथा उनके सूक्ष्म जलपान की व्यवस्था की।



द्वितीय समूह के सदस्यों ऑगनवाड़ी केन्द्रों पर जाकर महिलाओं से परिचय प्राप्त करते हुए उनकी शैक्षिक योग्यता के बारे में बातचीत की तथा उन्हें आगे पढ़ने तथा शिक्षा से होने वाले लाभों के बारे में अवगत कराया। डॉ. धर्मवीर सिंह ने बच्चों एवं महिलाओं को साफ-सफाई आदि के बारे में जागरूक करते हुए बताया कि बिमारियों से कैसे बचा जाय एवं किस प्रकार से हम अपने स्वास्थ्य का ध्यान साफ-सफाई के माध्यम से कर सकते हैं आदि के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा की। द्वितीय समूह के नेतृत्व कर्ता सह प्रभारी महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र डॉ. आनन्दानंद त्रिपाठी ने ऑगनबाड़ी की कार्यकर्त्रियों, सहायिकाओं तथा वहाँ उपस्थिति महिलाओं एवं बच्चों को स्वच्छता सामग्री (तौलिया, साबुन, नेल कटर, हैण्डवाश आदि) वितरित किया तथा उनके सूक्ष्म जलपान की व्यवस्था की।



तृतीय समूह के सदस्यों ने भी ऑगनवाड़ी केन्द्रों पर जाकर महिलाओं से परिचय प्राप्त करते हुए उनकी शैक्षिक योग्यता के बारे में बातचीत की तथा उन्हें आगे पढ़ने तथा शिक्षा से होने वाले लाभों के बारे में अवगत कराया। डॉ. रविन्द्र प्रताप सिंह ने बच्चों एवं महिलाओं को साफ-सफाई आदि के बारे में जागरूक करते हुए बताया कि बिमारियों से कैसे बचा जाय एवं किस प्रकार से हम अपने स्वास्थ्य का ध्यान साफ-सफाई के माध्यम से कर सकते हैं आदि के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा की। तृतीय समूह के नेतृत्वकर्ता सहायक प्रभारी महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र डॉ. त्रिविक्रम तिवारी ने ऑगनबाड़ी की कार्यकर्त्रियों, सहायिकाओं तथा वहाँ उपस्थिति महिलाओं एवं बच्चों को स्वच्छता सामग्री (तौलिया, साबुन, नेल कटर, हैण्डवाश आदि) वितरित किया तथा उनके सूक्ष्म जलपान की व्यवस्था की।



कार्यक्रम के अंत में डॉ. साधना श्रीवास्तव ने समस्त उपस्थिति लोगों का धन्यवाद किया। तथा इस धन्यवाद ज्ञापन के उपरांत कार्यक्रम का समापन हुआ।

इस अवसर पर कार्यक्रम की मुख्य अतिथि, श्रीमती सीमा सत्यकाम, कार्यक्रम की संयोजक प्रोफेसर श्रुति, प्रभारी महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र, सह प्रभारी डॉ. आन्नदानंद त्रिपाठी, सहायक प्रभारी डॉ. साधना श्रीवास्तव एवं डॉ. त्रिविक्रम तिवारी तथा सदस्य श्री राजेश गौतम, डॉ अनिल कुमार यादव, डॉ. धर्मवीर सिंह, डॉ. आर.पी. सिंह, डॉ. दीपा चौबे, डॉ. दीपमाला गुप्ता, डॉ. अब्दुल रहमान, डॉ. सफीना सामवी तथा कार्यक्रम सहयोगी श्री अंकित मिश्रा, श्री वीरेन्द्र वर्मा, श्री अनूप कुमार, श्री अमित शर्मा, श्री मनीष यादव व श्री संतोष कुमार के साथ साथ समस्त आँगनवाड़ियों की कार्यकर्त्रियों, श्रीमती विमलेश मिश्रा, मीरा पाल, कंचन गुप्ता, सविता देवी, सुनीता पाण्डेय, विद्यादेवी, मीरा पाण्डेय, प्रियंका पाण्डेय तथा सविता मौर्या एवं सहायिकाओं राजकुमारी, शान्ति देवी, मंजू पाल, सन्नो देवी, मालती देवी, सविता दुबे तथा ग्रामीण अंचल की महिलायें एवं बच्चें उपस्थित रहे। उपरोक्त कार्यक्रम में सभी ने पूर्ण मनोयोग से स्वच्छता जागरुकता कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी भूमिका निभायी।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में कुलसचिव श्री विनय कुमार, वित्त अधिकारी श्रीमती पूनम मिश्रा एवं विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गाँव गोहरी के निदेशक प्रो० आशुतोष गुप्ता का अत्यन्त महत्वपूर्ण योगदान रहा।

कार्यक्रम का आयोजन ग्रामीण महिलाओं एवं बच्चों के बीच स्वच्छता को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से आँगनबाड़ी में आयोजित किया गया।

स्वच्छता अभियान : एक संक्षिप्त परिचय

डॉ. धर्मवीर सिंह
असि.प्रो. जैव रसायन
उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

स्वच्छता और साफ-सफाई हमारे जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा हैं, जो न केवल हमें स्वस्थ रहने में मदद करती हैं बल्कि हमारे समाज और पर्यावरण के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। स्वच्छता का अर्थ केवल शरीर या आसपास की वस्तुओं को साफ रखना ही नहीं है, बल्कि यह व्यापक रूप में जीवन के हर क्षेत्र से जुड़ी होती है, चाहे वह व्यक्तिगत हो, सामाजिक हो या पर्यावरणीय। एक स्वस्थ और खुशहाल जीवन जीने के लिए स्वच्छता और साफ-सफाई को बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है।

1. **व्यक्तिगत स्वच्छता:** व्यक्तिगत स्वच्छता का तात्पर्य है, शरीर, कपड़ों और व्यक्तिगत उपयोग की वस्तुओं की साफ-सफाई का ध्यान रखना। शारीरिक स्वच्छता हमें अनेक संक्रामक रोगों और बीमारियों से बचाती है। नियमित स्नान करना, साफ कपड़े पहनना, नाखूनों की सफाई, दांतों की देखभाल, और बालों को साफ रखना, ये सभी व्यक्तिगत स्वच्छता के प्रमुख अंग हैं। यह केवल बाहरी रूप से स्वस्थ रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारी मानसिक स्थिति और आत्मविश्वास को भी प्रभावित करती है। जब हम स्वच्छ और साफ-सुथरे होते हैं, तो हम खुद को अच्छा महसूस करते हैं और सामाजिक रूप से बेहतर तरीके से संवाद कर पाते हैं।

विशेष रूप से हाथों की सफाई का बहुत महत्व है। अधिकांश बीमारियाँ जैसे डायरिया, प्लू, और अन्य संक्रामक रोग गंदे हाथों के कारण फैलते हैं। खाने से पहले और शौचालय के बाद हाथ धोने की आदत हमें इन बीमारियों से बचा सकती है। कोरोना महामारी के दौरान हाथ धोने और सैनिटाइजेशन के महत्व को विश्वभर में समझा गया। इसने स्पष्ट किया कि छोटी-छोटी स्वच्छता की आदतें किस प्रकार हमारे जीवन को सुरक्षित बना सकती हैं।

2. **घर और आसपास की स्वच्छता:** व्यक्तिगत स्वच्छता के साथ-साथ घर और आसपास की सफाई भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। घर वह स्थान है जहाँ हम अधिकांश समय बिताते हैं, और अगर हमारा घर स्वच्छ नहीं है, तो यह अनेक बीमारियों और संक्रमणों का स्रोत बन सकता है। घर की नियमित सफाई, खासकर रसोई, बाथरूम और शौचालय की साफ-सफाई, आवश्यक है। रसोईघर में रखी वस्तुओं की सफाई और भोजन को ढककर रखना चाहिए ताकि मक्खियाँ और अन्य कीटाणु भोजन को संक्रमित न कर सकें। शौचालय की स्वच्छता न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य के लिए बल्कि सार्वजनिक

स्वास्थ्य के लिए भी महत्वपूर्ण है। खुले में शौच करने से अनेक बीमारियाँ फैलती हैं, और यह समाज और पर्यावरण दोनों के लिए हानिकारक है।

घर के आसपास की सफाई भी उतनी ही आवश्यक है। सड़कों पर कूड़ा-कचरा न फेंकना और सार्वजनिक स्थानों की सफाई में योगदान देना एक जिम्मेदार नागरिक का कर्तव्य है। गंदगी और कूड़ा-कचरा मच्छरों, मक्खियों और अन्य हानिकारक जीवों को आकर्षित करते हैं, जो अनेक संक्रामक बीमारियों को फैलाने का कारण बनते हैं। मलेरिया, डेंगू, और चिकनगुनिया जैसी बीमारियाँ गंदे पानी में पनपने वाले मच्छरों के कारण फैलती हैं। इसलिए, हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हम अपने आसपास का वातावरण स्वच्छ रखें और कचरे का सही तरीके से निपटान करें।

- 3. पर्यावरणीय स्वच्छता:** पर्यावरणीय स्वच्छता से तात्पर्य है जल, वायु, और भूमि की स्वच्छता का ध्यान रखना। प्राकृतिक संसाधनों का स्वच्छ और सुरक्षित रहना हमारी जीवनशैली का हिस्सा होना चाहिए। जलस्रोतों का प्रदूषण, जैसे नदियों, तालाबों और झीलों में कचरा डालना या अव्यवस्थित रूप से औद्योगिक अपशिष्ट का निपटान, गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं का कारण बनते हैं। प्रदूषित जल से अनेक बीमारियाँ फैलती हैं जैसे कि पेचिश, हैजा, और टाइफाइड। इसलिए हमें जलस्रोतों को स्वच्छ रखने और उनमें किसी भी प्रकार का कचरा या गंदगी न डालने की आदत बनानी चाहिए।

वायु प्रदूषण भी पर्यावरणीय अस्वच्छता का एक प्रमुख रूप है, जो हमारे स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डालता है। वायु प्रदूषण का मुख्य कारण औद्योगिक धुएँ, वाहनों से निकलने वाला धुआँ, और जलने वाले कचरे से उत्पन्न होने वाले हानिकारक गैसों हैं। इससे सांस लेने में कठिनाई, अस्थमा, और अन्य श्वसन संबंधी रोग उत्पन्न होते हैं। इसलिए, हमें स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों का उपयोग करना चाहिए, जैसे कि सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा, और वाहनों के अत्यधिक उपयोग से बचना चाहिए।

- 4. स्वच्छता का सामाजिक और आर्थिक महत्व:** स्वच्छता न केवल स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि यह सामाजिक और आर्थिक दृष्टिकोण से भी अत्यंत आवश्यक है। एक स्वच्छ समाज का अर्थ है एक स्वस्थ समाज। जब समाज के लोग स्वस्थ होंगे, तो वे अधिक उत्पादक होंगे और समाज की समृद्धि में योगदान देंगे। इसके विपरीत, गंदगी और अस्वच्छता से बीमारियों का फैलाव होता है, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव बढ़ता है और समाज की उत्पादकता कम होती है। स्वच्छता के अभाव में बड़े पैमाने पर बीमारियाँ फैल सकती हैं, जिससे आर्थिक नुकसान होता है और गरीब लोग विशेष रूप से प्रभावित होते हैं।

भारत में स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए 'स्वच्छ भारत अभियान' जैसे प्रयास किए गए हैं। यह अभियान 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य है देशभर में स्वच्छता की आदतों को बढ़ावा देना और खुले में शौच से मुक्ति दिलाना। इस अभियान

ने देशभर में स्वच्छता के महत्व को उजागर किया और लोगों को सफाई के प्रति जागरूक बनाया। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में शौचालयों के निर्माण में वृद्धि हुई है, जिससे स्वास्थ्य में सुधार हुआ है और महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की गई है।

5. **स्वच्छता और स्वास्थ्य का संबंध:** स्वच्छता और स्वास्थ्य का आपस में गहरा संबंध है। गंदगी और अस्वच्छता से उत्पन्न होने वाले हानिकारक जीवाणु और वायरस स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा करते हैं। मलेरिया, डेंगू, टायफाइड, दस्त, और हैजा जैसी बीमारियाँ अस्वच्छता से ही उत्पन्न होती हैं। अगर हम स्वच्छता का ध्यान रखें, तो इन बीमारियों से बचा जा सकता है। इसलिए, स्वच्छता को प्राथमिकता देकर हम अपने और अपने परिवार के स्वास्थ्य को सुरक्षित रख सकते हैं।
6. **मानसिक स्वास्थ्य और स्वच्छता:** शारीरिक स्वच्छता के साथ-साथ मानसिक स्वच्छता भी आवश्यक है। साफ-सुथरा वातावरण मानसिक शांति और ताजगी प्रदान करता है। एक गंदे और अव्यवस्थित वातावरण में जीवन यापन करने से मानसिक तनाव और बेचौनी बढ़ सकती है। इसके विपरीत, स्वच्छ और सजीव वातावरण सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है, जिससे हमारा मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है।

निष्कर्ष: स्वच्छता और साफ-सफाई हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं, जो न केवल हमारे शारीरिक स्वास्थ्य को सुरक्षित रखने में सहायक होती हैं, बल्कि मानसिक शांति और सामाजिक समृद्धि में भी योगदान देती हैं। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम व्यक्तिगत, घरेलू और पर्यावरणीय स्वच्छता के महत्व को समझें और उसे अपने दैनिक जीवन में उतारें। स्वच्छता के प्रति हमारी जागरूकता न केवल हमें बीमारियों से बचाएगी, बल्कि हमारे समाज और पर्यावरण को भी स्वस्थ और सुरक्षित बनाएगी।

स्वच्छता का पालन करके हम अपने जीवन को बेहतर बना सकते हैं और एक स्वस्थ, समृद्ध और स्वच्छ समाज की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा सकते हैं। स्वच्छता की आदतें न केवल वर्तमान पीढ़ी के लिए बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, ताकि वे एक स्वस्थ और स्वच्छ पर्यावरण में जीवन जी सकें।

स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान

डॉ. दीपा चौबे
सहायक आचार्य, जीव विज्ञान
उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति आचार्य सत्यकाम जी के मार्गदर्शन में स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान के अन्तर्गत महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र के द्वारा आज दिनांक 28 सितम्बर 2024 को गोहरी गाँव के अन्तर्गत आने वाली आँगनवाड़ी केन्द्र (02, 04 एवं 08) में स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम हेतु एकत्रित हुए हैं।

स्वच्छता दिवस का आयोजन हर साल 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर किया जाता है। यह दिन स्वच्छता और स्वच्छ भारत अभियान को समर्पित होता है। जिसे प्रधानमंत्री ने 2 अक्टूबर 2014 को महात्मा गांधी के जन्मदिन पर शुरू किया था। स्वच्छता दिवस का उद्देश्य देशभर में स्वच्छता के महत्व को बढ़ावा देना और जनसहभागिता से स्वच्छता अभियान को सफल बनाना है। प्रधानमंत्री मोदी जी का कहना है कि स्वच्छता केवल एक सरकारी काम नहीं है बल्कि यह हर नागरिक की जिम्मेदारी है। उनके इस आह्वान के बाद देशभर में स्वच्छता को लेकर जागरूकता बढ़ी है। इस अभियान के तहत हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में स्वच्छता का प्रसार किया जाय। इसके अंतर्गत सड़कों, गलियों, सार्वजनिक स्थलों और शौचालयों की सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

साफ सुथरे वातावरण में रहने से मानसिक शान्ति और सकारात्मकता का माहौल बनता है। व्यक्तिगत स्वच्छता का पालन करके आप और हम अपने परिवार और समाज के लिए अच्छा उदाहरण बन सकते हैं। यहाँ व्यक्तिगत स्वच्छता का अर्थ हाथ, बाल, नाखून, कान की स्वच्छता साथ ही साथ अपने कपड़ों की स्वच्छता होनी चाहिए।

अभी कोरोना काल में रोगियों की बढ़ती संख्या एवं अस्पतालों में साफ-सफाई की ध्यान देने की आवश्यकता से स्पष्ट है कि जीवन में स्वच्छता कितनी जरूरी है। स्वच्छता का संदेश हम सफाई अभियान, रैली, जागरूकता कार्यक्रम और प्रतियोगिताओं का आयोजन स्कूल, कॉलेज, सरकारी कार्यालय और स्थानीय लोग में सक्रिय भागीदारी के माध्यम से करते हैं।

इस अवसर पर हमें सफाई अभियान में शामिल हो करके तथा अपने आस-पास की गंदगी को साफ करने के लिए लोगों को प्रेरित करना होगा। इस हेतु बच्चों के लिए पेंटिंग, निबंध और भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन करके स्वच्छता के प्रति जागरूक करने की आवश्यकता है। इसके अलावा, डिजिटल माध्यमों के जरिए भी स्वच्छता का संदेश फैलाया जा रहा है। स्वच्छता दिवस पर विभिन्न

संस्थाओं द्वारा वृक्षारोपण, जल संरक्षण और कचरा प्रबंधन जैसे अन्य पर्यावरणीय मुद्दों पर भी ध्यान देकर हम स्वच्छता का संदेश दे सकते हैं।

स्वच्छता दिवस का **मुख्य संदेश** यह है कि स्वच्छता केवल सरकार या सफाई कर्मचारियों का काम नहीं है, बल्कि यह हर नागरिक की जिम्मेदारी है। यदि हम अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखें, तो यह न केवल हमारे स्वास्थ्य को लाभ पहुंचाएगा, बल्कि पर्यावरण को भी संरक्षित करेगा।

स्वच्छता अभियान के तहत उठाये गये कदम—

- 1. शौचालय निर्माण:** स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में करोड़ों शौचालय बनाए गए हैं, जिससे खुले में शौच की समस्या को कम किया गया।
- 2. कचरा प्रबंधन:** कचरा प्रबंधन के लिए सरकार ने सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट (ठोस कचरा प्रबंधन) और गीला-सूखा कचरे को अलग करने पर जोर दिया है। कचरे के निपटान के लिए रिसाइक्लिंग और पुनर्चक्रण की योजनाएं भी चलाई जा रही हैं।
- 3. स्वच्छता एप्स:** सरकार ने स्वच्छता एप्स को लॉन्च किया है, जहां नागरिक कचरे और गंदगी की समस्या की शिकायत दर्ज कर सकते हैं। इससे सरकार तुरंत कार्यवाही कर सकती है और स्वच्छता सुनिश्चित की जाती है।
- 4. साफ-सफाई के लिए सामुदायिक भागीदारी:** स्वच्छता अभियान में आम नागरिकों की भागीदारी को प्रोत्साहित किया गया है। इस भागीदारी ने स्वच्छता को एक आंदोलन का रूप दिया, जिससे समाज में एक नई ऊर्जा का संचार हुआ है।
- 5. स्कूलों और कॉलेजों में स्वच्छता शिक्षा:** स्वच्छता को स्कूल और कॉलेज के पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है ताकि बच्चों को छोटी उम्र से ही स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक किया जा सके।
- 6. स्वच्छता सर्वेक्षण:** हर साल स्वच्छता सर्वेक्षण कराया जाता है, जिसमें देश के सभी शहरों और कस्बों की स्वच्छता स्थिति का मूल्यांकन किया जाता है। इस सर्वेक्षण से स्वच्छता के प्रति एक सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित हुई है।
- 7. वृक्षारोपण अभियान:** पर्यावरण की सुरक्षा के लिए स्वच्छता के साथ-साथ वृक्षारोपण पर भी ध्यान दिया जा रहा है। हर साल लाखों पेड़ लगाए जा रहे हैं ताकि पर्यावरण स्वच्छ और हरा-भरा बना रहे।
- 8. जल संरक्षण अभियान:** स्वच्छता के साथ जल संरक्षण पर भी ध्यान दिया गया है। जल संरक्षण और पुनः उपयोग (रिसाइक्लिंग) की प्रक्रिया के माध्यम से पानी की बर्बादी को रोकने के लिए कदम उठाए गए हैं।

अतः हम इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि स्वच्छता दिवस पार होने वाले सफाई अभियान में जब हम सभी शामिल हो तो यह समझें कि स्वच्छता सिर्फ हमारे लिए नहीं बल्कि पूरे समाज के लिए आवश्यक है। यह मानसिकता लोगों को अपने घरों और आस-पास के इलाकों को साफ-सुथरा रखने की प्रेरणा देगी। इस प्रकार व्यक्तिगत और सामूहिक जिम्मेदारी का भाव विकसित होगा।

स्वच्छता दबाव में करने वाला कार्य नहीं है यह एक अच्छी आदत है। हमारे एक अच्छे स्वस्थ जीवन के लिए। स्वच्छता बहुत जरूरी है चाहे वह व्यक्तिगत हो, अपने आस-पास की, पर्यावरण की, पालतू जानवरों की या काम करने की जगह (स्कूल, कॉलेज, कार्यालय आदि) हो। हम सभी को जागरूक होना चाहिए कि कैसे हम अपने दैनिक जीवन में स्वच्छता को बनाए रखें।

युवाओं के माध्यम से स्वच्छता की भावना समाज के हर तबके में फैल रही है। वे अपने प्रयासों से न केवल खुद को बल्कि अपने आसपास के लोगों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक कर रहे हैं। इससे न केवल शारीरिक स्वच्छता का महत्व बढ़ा है, बल्कि मानसिक स्वच्छता और अनुशासन का भी विकास हुआ है। स्वच्छता दिवस केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह एक लंबी अवधि का आंदोलन है, जो हमें अपने आस-पास के वातावरण को साफ और स्वस्थ रखने के लिए प्रेरित करता है। स्वच्छता का यह संदेश हमें अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना होगा ताकि हम एक स्वस्थ और स्वच्छ भारत का निर्माण कर सकें।

स्वच्छता दिवस का आयोजन हमें इस बात की याद दिलाता है कि एक स्वच्छ भारत का सपना तभी साकार होगा, जब हर नागरिक स्वच्छता के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझेगा। आज जब हम इस दिशा में कदम उठा रहे हैं तो यह जरूरी है कि हम इसे अपने जीवन की आदतों में शामिल करें और आने वाली पीढ़ियों को इस दिशा में प्रेरित करें।

स्वच्छता ही सेवा - 2024 (स्वच्छता संस्कार, स्वच्छता व्यवहार)

डॉ. रविन्द्र प्रताप सिंह
सहायक आचार्य, जैव रसायन
उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

स्वच्छता का अर्थ है अपने आसपास की जगह को गंदगी से मुक्त रखना और खुद को साफ सुथरा रखना। लेकिन सिर्फ अपने घर की और खुद की सफाई, स्वच्छता नहीं होता है। बल्कि स्वच्छता का मतलब हमारे घर से आस-पड़ोस में भी मौजूद गंदगी जैसे धूल, मिट्टी, खुला कचड़ा, जमा हुआ गंदा पानी, गट्टे, आदि इन सब से भी मुक्त होना जरूरी है। अगर हमारे चारों तरफ सफाई बनी रहेगी तो हमारा स्वास्थ्य भी बेहतर रहेगा। वैसे तो कहा जाता है कि अगर आपका मन साफ है तो आप तब भी स्वच्छ माने जाते हैं। इंसानों के लिए मन की सफाई आस-पास की सफाई जितना ही महत्वपूर्ण हो गया है। स्वच्छता को बरकरार रखने के लिए हमारे देश के प्रधानमंत्री भी स्वच्छता अभियान का पालन करने का आग्रह करते हैं। ऐसी ही कुछ स्वच्छता की आदतों का पालन बड़ों के साथ-साथ बच्चों को भी करना चाहिए ताकि वह कई तरह की बीमारियों से बच सकें।

स्वच्छता हमारे जीवन का एक अभिन्न हिस्सा है। बचपन से ही हमें यह सिखाया जाता है कि हमें हमेशा साफ-सफाई का ध्यान रखना चाहिए। स्वच्छता एक अच्छी आदत है जो हम सब में होनी चाहिए। हमे अपने घर, स्कूल, आसपास की साफ-सफाई का ख्याल खुद रखना चाहिए। इस प्रकार यह कार्य किसी एक का न होकर हम सब की जिम्मेदारी का हिस्सा बन जाएगा और सबके सहयोग से देश स्वच्छ रहेगा। अगर हमारे घर में पालतू जानवर हो या हम जानवरों के शौकीन हो तो हमें उनकी सफाई का भी ध्यान रखना चाहिए उन्हें समय समय पर नहलाना चाहिए। इसी प्रकार हमें खुद भी रोजाना नहा कर साफ कपड़े पहनना चाहिए। जब भी हम कहीं बाहर से आते हैं तो हमे सबसे पहले अपने हाथों को धोना चाहिए, क्योंकि जब हम बाहर होते हैं तो कई ऐसी चीजों के संपर्क में आते हैं जो संक्रमित होती हैं और हम उनसे गंभीर रूप से बीमार हो सकते हैं। हम हाथों का प्रयोग अधिक करते हैं इसलिए सबसे पहले अपने हाथों का धोना चाहिए और संभव हो तो उसके बाद स्नान भी कर लें, ताकि हम खुद को और अपने परिवार व अपने आस-पास मौजूद अन्य लोगों को बीमारियों से दूर रख सकें।

देश में स्वच्छता को लेकर जागरूकता फैलाने के लिए सरकार द्वारा 2 अक्टूबर 2014 को 'स्वच्छ भारत अभियान' शुरू किया। इसका असर काफी सकारात्मक रूप से देखने को मिल रहा है और लोग देश को गंदगी मुक्त बनाने के लिए समूह में काम कर रहे हैं। यह समूह शहर शहर और गाओं तक पहुंच कर लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने का काम कर रहा है। यह अभियान राष्ट्रीय स्तर का अभियान है जिसका मकसद गलियों, सड़कों को साफ-सुथरा करना और कूड़ा साफ रखना है। ताकि देश का विकास तेजी से हो और बाहरी देशों के पर्यटक ज्यादा से ज्यादा हमारे देश में आएँ और देश की अर्थव्यवस्था में भी बढ़ोतरी हो।

‘देश तभी साफ होगा जब सफाई में सबका हाथ होगा’ इसी नारे के साथ हमें देश की प्रगति के लिए स्वच्छता का खास ख्याल रखना है। स्वच्छता की शुरुआत सभी को सबसे पहले अपने घर से करनी चाहिए। इसलिए अपने घर को साफ रखना बहुत जरूरी है। जैसे कि, घर में कूड़ा फैलाकर नहीं रखें, कूड़ा जब भी फेंके तो कूड़ेदान में ही फेंके, अपने आसपास पेड़-पौधे लगाएं, गंदा पानी इकट्ठा होने से बचाएं आदि। यह आदतें काफी लाभदायक होती हैं। यह आदतें घर से शुरू होकर बाहर सड़कों और स्कूलों में पहुंचना जरूरी है। इसके अलावा हमें दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करना चाहिए क्योंकि उनके लिए भी स्वच्छता उतना ही जरूरी है।

स्वच्छता क्या है ? (What Is Cleanliness?)

स्वच्छता का मतलब खुद को, अपने परिवार को और अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखना होता है। स्वच्छता की आदतों का पालन करने के लिए कभी भी किसी के जबरदस्ती नहीं करनी चाहिए बल्कि एक दूसरे को इन आदतों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। स्वच्छता एक अच्छी आदत है जो किसी के भी जीवन को बेहतर बना सकती है और कई बिमारियों से बचा कर लंबी उम्र भी प्रदान करती है। बच्चे यह आदतें सबसे पहले अपने माता-पिता फिर उसके बाद अपने शिक्षक से सीखते हैं। स्वच्छता से जुड़ी अच्छी आदतों का पालन करने के लिए बच्चों को बचपन से ही प्रोत्साहित करना चाहिए। इससे उन्हें जागरूकता हासिल होगी। साफ-सफाई कोई बहुत मुश्किल काम नहीं है बल्कि अगर आप ठान लें, तो आसानी से पालन किया जा सकता है। स्वच्छता से समझौता करने की गलती कभी नहीं करनी चाहिए। यह मनुष्यों और जानवरों के स्वास्थ्य और विकास के लिए जरूरी है।

स्वच्छता के प्रकार (Type of Cleanliness)

स्वच्छता को आमतौर पर दो अलग-अलग भागों में बांटा जा सकता है। पहला व्यक्तिगत स्वच्छता और दूसरा पर्यावरण की स्वच्छता।

व्यक्तिगत स्वच्छता

स्वच्छता आपके व्यक्तिगत सफाई में अहम भूमिका निभाता है। इसमें हमें अपने शरीर और व्यक्तिगत सामान की सफाई रखना जरूरी है। व्यक्तिगत रूप से स्वच्छ रहने का मतलब होता है- साफ और धुले कपड़े पहनना, रोज नहाना, ब्रश करना, अच्छी आदतें अपनाना आदि। सिर्फ इतना ही हम जहां भी जाते हैं चाहे वो ऑफिस हो या फिर कहीं और, व्यक्तिगत स्वच्छता दूसरों को भी प्रभावित करती है। क्या आपका ऑफिस जहां आप अपने दिन का आधे से ज्यादा समय बिताते हैं, वह गन्दा रहता है? अगर ऐसा है, तो आपको स्वच्छता की आदतों का पालन करना बेहद जरूरी है। स्वच्छता केवल आपके शारीरिक रूप तक ही सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह उससे कई गुना है।

पर्यावरण स्वच्छता

पर्यावरण से जुड़ी स्वच्छता से यह तात्पर्य है कि हमारे आसपास की वह चीजें जिनसे कम हस्तक्षेप कर के बेहतर पर्यावरण का विकास कर सकते हैं। यदि हम अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाते हैं तो इससे हमारे पर्यावरण को कई फायदें हासिल होंगे। यह तो हर किसी को पता है कि जैसे हम अपना शरीर साफ रखते हैं और उसको किसी भी तरह की परेशानी से बचाने के लिए हर मुमकिन कोशिश करते हैं, उसी तरह पर्यावरण को भी स्वच्छ रखने की जिम्मेदारी हमारी है।

स्वच्छता के फायदें (Benefits of Cleanliness)

- स्वच्छता बनाए रखने से आपका स्वास्थ्य हमेशा अच्छा बना रहता है।
- स्वच्छता के कारण हम कीटाणुओं और बीमारियों से बचे रहेंगे।
- स्वच्छता का पालन करने से हमारे पर्यावरण में भी सुधार आएगा।
- स्वच्छ आदतों को अपनी दिनचर्या में शामिल करने से व्यक्ति कई तरह की बीमारियों से बचा रहता है।
- साफ सुथरे वातावरण में किसी भी बीमारी के फैलने की संभावना कम से कम होती है।

स्वच्छ भारत अभियान

श्री नरेन्द्र मोदी ने स्वच्छ भारत मिशन की नई दिल्ली, राजपथ पर शुरूआत करते हुए कहा था कि “एक स्वच्छ भारत के द्वारा ही देश में महात्मा गांधी की जयंती पर अपनी सर्वोत्तम श्रद्धांजलि दे सकते हैं।” 2 अक्टूबर, 2014 को स्वच्छ भारत मिशन देश भर में व्यापक तौर पर राष्ट्रीय आंदोलन के रूप में शुरू किया गया था। इस अभियान के अंतर्गत 2 अक्टूबर 2019 तक “स्वच्छ भारत” की परिकल्पना को साकार करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। स्वच्छ भारत अभियान भारत सरकार द्वारा चलाया गया सबसे महत्वपूर्ण स्वच्छता अभियान है। श्री नरेन्द्र मोदी ने इंडिया गेट पर स्वच्छता के लिए आयोजित एक प्रतिज्ञा समारोह की अगुआई की थी। जिसमें देश भर से आए हुए लगभग 50 लाख सरकारी कर्मचारियों ने भाग लिया। उन्होंने इस अवसर पर राजपथ पर एक पदयात्रा को भी झंडी दिखाई थी और न केवल सांकेतिक रूप से दो चार कदम चले बल्कि भाग लेने वालों के साथ काफी दूर तक चलकर लोगों को आश्चर्यचकित कर दिया।

स्वच्छता के जन अभियान की अगुआई करते हुए प्रधान मंत्री ने जनता को महात्मा गांधी के स्वच्छ और स्वास्थ्यवर्धक वातावरण वाले भारत के निर्माण के सपने को साकार करने के लिए प्रेरित किया। श्री नरेन्द्र मोदी ने स्वयं मंदिर मार्ग पुलिस थाने में स्वच्छता अभियान को शुरू किया। धूल-मिट्टी को साफ़ करने के लिए झाड़ू उठाकर स्वच्छ भारत अभियान को पूरे राष्ट्र के लिए एक जन-आंदोलन का रूप दिया और कहा कि लोगों को न तो स्वयं गंदगी फैलानी चाहिए और न ही किसी और को फैलाने देना चाहिए। उन्होंने “न गंदगी करेंगे, न करने देंगे।” का मंत्र भी दिया। श्री नरेन्द्र मोदी ने नौ लोगों को स्वच्छता अभियान में शामिल होने के लिए भी आमंत्रित किया और उनमें से हर एक से यह अनुरोध किया वो अन्य नौ लोगों को इस पहल में शामिल होने के लिए प्रेरित करें।

लोगों को इस अभियान में शामिल होने का आह्वान करके स्वच्छता अभियान एक राष्ट्रीय आंदोलन का रूप ले चुका है। स्वच्छ भारत अभियान के संदेश ने लोगों के अंदर उत्तरदायित्व की एक अनुभूति जगा दी है। अब जबकि नागरिक पूरे देश में स्वच्छता के कामों में सक्रिय रूप से सम्मिलित हो रहे हैं, महात्मा गांधी द्वारा देखा गया ‘स्वच्छ भारत’ का सपना अब साकार होने लगा है। प्रधान मंत्री ने अपनी बातों और अपने कामों से स्वच्छ भारत के संदेश को लोगों का प्रयोग करके पूरे भारत और पूरी दुनिया में फैला दिया है। उन्होंने वाराणसी में भी स्वच्छता अभियान चलाया। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन के तहत गंगा नदी के निकट अस्सी घाट पर फावड़ा चलाया। बड़ी संख्या में उनके साथ शामिल होकर स्वच्छता अभियान में उनका सहयोग दिया। स्वच्छता के महत्व को समझते हुए प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इसके साथ ही साथ स्वास्थ्य

संबंधी समस्याओं को हल करने की बात भी उठाई है। ये स्वास्थ्य समस्यायें लगभग आधे भारतीय परिवारों को घर में उचित शौचालय न होने के कारण झेलनी पड़ रही हैं।

समाज के विभिन्न वर्गों ने आगे आकर स्वच्छता के इस जन अभियान में हिस्सा लिया है और अपना योगदान दिया है। सरकारी कर्मचारियों से लेकर जवानों तक, बालीवुड के अभिनेताओं से लेकर खिलाड़ियों तक, उद्योगपतियों से लेकर अध्यात्मिक गुरुओं तक सभी ने इस महान काम के लिए अपनी प्रतिबद्धता जताई है। देश भर के लाखों लोग सरकारी विभागों द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छता के इन कामों में आए दिन सम्मिलित होते रहे हैं, इस काम में एनजीओ और स्थानीय सामुदायिक केन्द्र भी शामिल हैं, नाटकों और संगीत के माध्यम से सफाई-सुथराई और स्वास्थ्य के गहरे संबंध के संदेश को लोगों तक पहुंचाने के लिए बड़े पैमाने पर पूरे देश में स्वच्छता अभियान चलाये जा रहे हैं। प्रधान मंत्री ने जनता और विभिन्न विभागों एवं संस्थाओं द्वारा स्वच्छ भारत मिशन में हिस्सा लेने और एक स्वच्छ भारत के निर्माण में अपना योगदान देने के लिए किए जाने वाले प्रयत्नों की सराहना की है। श्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया में जनता की भागीदारी की हमेशा मुक्त कंठ से प्रशंसा की है। साथ ही साथ स्वच्छ भारत अभियान के एक हिस्से के तौर पर '#My CleanIndia' अभियान भी शुरू किया गया है ताकि सफाई-सुथराई के लिए चलाए जा रहे इस अभियान में नागरिकों के योगदान को उजागर किया जा सके।

समाचार पत्र की सुर्खियां



Rural women can uplift their families through skill training - Seema Satyakam

JEEVAN EXPRESS NEWS

PRAYAGRAJ: The Centre for Women's Studies and Extended Activities of the Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj, Uttar Pradesh, organised a literacy awareness programme on the eve of Teachers' Day under the Beti Bachao Beti Padhao programme at the Mohanganj Fulwaria Anganwadi Centre in Gohari village, adopted by the Science Vidya branch, on Wednesday.

The chief guest of the awareness program, Mrs. Seema Satyakam said that women can uplift their families by taking benefit from skill related education and training programs. She said that if women are educated and trained, then their families and the women of the surrounding villages will also benefit from it. This will lead to development of rural women and they will be em-

powered. She motivated the rural women to advance the education of their daughters. Mrs. Seema Satyakam discussed with Anganwadi center workers Priyanka Pandey, Sunita Devi and assistants Rajkumari, Shanti



Devi as well as women from the rural area about their education and skills and other topics.

Professor Shruti, in-charge of Women's Studies and Extended Activities Centre and programme coordinator, distributed dia-

ries, pens etc. to Anganwadi workers, assistants and the women and children present there. Professor Shruti made the rural women aware of the importance of education. She said that the role of an edu-

ated woman helps in making the society strong and developed. Assistant in-charge of the centre and main speaker of the programme Dr. Trivikram Tiwari motivated them to join the university and told them in detail

Sadhna Srivastava, Dr. Trivikram Tiwari, Rajesh Gautam, Dr. Anil Kumar Yadav, Dr. Dharamvir Singh, Dr. Deepa Chaubey, Dr. Deepa Mala Gupta and teachers of Gohari Primary School and women and children of rural areas etc. were present.

about the Beti Bachao Beti Padhao programme being run by the government. He said that an educated woman can herself pay attention to the education of her children. Literacy of women and daughters helps in the progress of the coming generations. Society and nation will also progress if they become literate. Assistant in-charge of the centre Dr. Sadhna Srivastava gave the vote of thanks. On this occasion Professor Shruti, Dr. Anand and Tripathi,

Dr. Sadhna Srivastava, Dr. Trivikram Tiwari, Rajesh Gautam, Dr. Anil Kumar Yadav, Dr. Dharamvir Singh, Dr. Deepa Chaubey, Dr. Deepa Mala Gupta and teachers of Gohari Primary School and women and children of rural areas etc. were present.



Rural women can improve their family via skill training: Seema Satyakam

SANYAM BHARAT CORRESPONDENT

Prayagraj: Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University Prayagraj's Women's Studies and Extended Activity Center on Wednesday at Mohanganj Phulwaria Anganwadi Center of village Gohri, adopted by Vigyan Vidya branch, Under the Beti Bachao Beti Padhao program, a literacy awareness program was organized on the eve of Teacher's Day. Seema Satyakam, the chief guest of the awareness program,



said that women can improve their families by getting benefits from skill-related education and training programs. He said that if women are educated and trained, their families and the women of nearby villages will also benefit from it. Due to which rural women will also develop and become empowered. She inspired rural women to further their daughters' education.

Mrs. Seema Satyakam discussed their education and skills and other topics with Anganwadi Center workers Priyanka Pandey, Sunita Devi and assistants Rajkumari, Shanti Devi as well as women of rural areas. In-charge and program coordinator of Women's Study and Extended Activity Center Professor Shruti distributed diaries,

pens etc. to the Anganwadi workers, helpers and the women and children present there. Professor Shruti made rural women aware of the importance of education.

the university and explained in detail about the Beti Bachao Beti Padhao program being run by the government. He said that an educated woman can focus on the education of her children herself. Literacy of women and daughters helps in the progress of the coming generations. With their becoming literate, society and nation will also progress. The vote of thanks was given by Dr. Sadhna Srivastava, assistant in-charge of the centre. On this occasion, Professor Shruti, Dr. Anand and Tripathi, Dr. Sadhna Srivastava, Dr. Trivikram Tiwari, Rajesh Gautam, Dr. Anil Kumar Yadav, Dr. Dharamvir Singh, Dr. Deepa Chaubey, Dr. Deepa Mala Gupta and teachers of Gohari Primary School and women from rural areas and Children etc. were present.

PUBLIC NOTICE

Whom so ever it may concern the original allotment letter dated 03.12.2012 and possession letter dated 01.04.2013 of the property Flat No. 12/203 LIG (Second Floor) Budh Vihar Aavas 'Yojana' Deyghat Jhalwa, Pargana & Tehsil - Sadar, Prayagraj, Area - 40.83 Sq. Mtrs. which is chin document and has been lost and lodge the FIR and the property is going to mortgage before LICHFL, Allahabad, if anyone having objection may file the same within 07 days from the date of publication to the address mentioned as SOMIL SRIVASTAVA ADVOCATE through Bandhan Bank Ltd., Allahabad, Mobile No. 8299703468 and Merazuddin (Credit Manager) Mobile No. 9696979863.

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

कौशल प्रशिक्षण से परिवार को उन्नत बना सकती हैं ग्रामीण महिलाएं - सीमा सत्यकाम

सबसे तेज प्रयागराज प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र द्वारा बुधवार को विज्ञान विद्या शाखा द्वारा गोद लिए गांव गोहरी के मोहनगंज फुलवरिया आंगनवाड़ी केंद्र में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षक दिवस के पूर्व दिवस पर साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जागरूकता कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती सीमा सत्यकाम ने कहा कि महिलाएं कौशल से संबंधित शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों से लाभ प्राप्त करके अपने परिवार को उन्नत बना सकती हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अगर शिक्षित प्रशिक्षित किया जाएगा तो उसका लाभ उनके परिवार तथा आसपास के गांव की महिलाओं को भी मिलेगा। जिससे ग्रामीण महिलाओं का भी विकास होगा और वह सशक्त होगी। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम को प्रोत्साहित किया। श्रीमती सीमा सत्यकाम ने आंगनवाड़ी केंद्र की कार्यकर्त्रियों प्रियंका पांडे, सुनीता देवी एवं सहायिकाओं राजकुमारी, शांति देवी के साथ-साथ ग्रामीण अंचल की महिलाओं से उनकी शिक्षा तथा कौशल एवं अन्य विषयों पर चर्चा की। महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी एवं कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने आंगनवाड़ी के कार्यकर्त्रियों, सहायिकाओं तथा वहां उपस्थित महिलाओं एवं बच्चों को डायरी, पेन आदि वितरित किए। प्रोफेसर श्रुति ने ग्रामीण महिलाओं को शिक्षा के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि एक शिक्षित महिला की भूमिका समाज को सुदृढ़ एवं विकसित बनाने में सहायक होती है। केंद्र के सहायक प्रभारी एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. त्रिविक्रम तिवारी ने उन्हें विश्वविद्यालय से जुड़ने के लिए प्रेरित किया तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि एक पढ़ी-लिखी महिला अपने बच्चों की शिक्षा पर स्वयं ध्यान दे सकती है। महिलाओं एवं बेटियों की साक्षरता आने वाली पीढ़ियों की उन्नति में सहायक होती है। इनके साक्षर होने से समाज एवं राष्ट्र भी उन्नत होगा। धन्यवाद ज्ञापन केंद्र की सहायक प्रभारी डॉ. साधना श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर श्रुति, डॉ. आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ. साधना श्रीवास्तव, डॉ. त्रिविक्रम तिवारी, राजेश गौतम, डॉ. अनिल कुमार यादव, डॉ. धर्मवीर सिंह, डॉ. दीपा चौबे, डॉ. दीप माला गुप्ता तथा गोहरी प्राथमिक विद्यालय की अध्यापिकाएं एवं ग्रामीण अंचल की महिलाएं तथा बच्चे आदि उपस्थित रहे।



समय से पहले 'समय' पर नजर नगर-संस्करण

न्यायाधीश

डॉक रजिस्ट्रेशन नं.- ए.डी.34/2021-23

प्रयागराज, गुरुवार 05 सितम्बर, 2024

कौशल प्रशिक्षण से परिवार को उन्नत बना सकती हैं ग्रामीण महिलाएं - सीमा सत्यकाम



ग्रामीण महिलाओं का भी विकास होगा और वह सशक्त होगी। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम को प्रोत्साहित किया। श्रीमती सीमा सत्यकाम ने आंगनवाड़ी केंद्र की कार्यकर्त्रियों प्रियंका पांडे, सुनीता देवी एवं सहायिकाओं राजकुमारी, शांति देवी के साथ-साथ ग्रामीण अंचल की महिलाओं से उनकी शिक्षा तथा कौशल एवं अन्य विषयों पर चर्चा की। महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी एवं कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने आंगनवाड़ी के कार्यकर्त्रियों, सहायिकाओं तथा वहां उपस्थित महिलाओं एवं बच्चों को डायरी, पेन आदि वितरित किए। प्रोफेसर श्रुति ने ग्रामीण महिलाओं को शिक्षा के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि एक शिक्षित महिला की भूमिका समाज को सुदृढ़ एवं विकसित बनाने में सहायक होती है। केंद्र के सहायक प्रभारी एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. त्रिविक्रम तिवारी ने उन्हें विश्वविद्यालय से जुड़ने के लिए प्रेरित किया तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि एक पढ़ी-लिखी महिला अपने बच्चों की शिक्षा पर स्वयं ध्यान दे सकती है। महिलाओं एवं बेटियों की साक्षरता आने वाली पीढ़ियों की उन्नति में सहायक होती है। इनके साक्षर होने से समाज एवं राष्ट्र भी उन्नत होगा। धन्यवाद ज्ञापन केंद्र की सहायक प्रभारी डॉ. साधना श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर श्रुति, डॉ. आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ. साधना श्रीवास्तव, डॉ. त्रिविक्रम तिवारी, राजेश गौतम, डॉ. अनिल कुमार यादव, डॉ. धर्मवीर सिंह, डॉ. दीपा चौबे, डॉ. दीप माला गुप्ता तथा गोहरी प्राथमिक विद्यालय की अध्यापिकाएं एवं ग्रामीण अंचल की महिलाएं तथा बच्चे आदि उपस्थित रहे।

उन्होंने विश्वविद्यालय से जुड़ने के लिए प्रेरित किया तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि एक पढ़ी-लिखी महिला अपने बच्चों की शिक्षा पर स्वयं ध्यान दे सकती है। महिलाओं एवं बेटियों की साक्षरता आने वाली पीढ़ियों की उन्नति में सहायक होती है। इनके साक्षर होने से समाज एवं राष्ट्र भी उन्नत होगा। धन्यवाद ज्ञापन केंद्र की सहायक प्रभारी डॉ. साधना श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर श्रुति, डॉ. आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ. साधना श्रीवास्तव, डॉ. त्रिविक्रम तिवारी, राजेश गौतम, डॉ. अनिल कुमार यादव, डॉ. धर्मवीर सिंह, डॉ. दीपा चौबे, डॉ. दीप माला गुप्ता तथा गोहरी प्राथमिक विद्यालय की अध्यापिकाएं एवं ग्रामीण अंचल की महिलाएं तथा बच्चे आदि उपस्थित रहे।

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

प्रकाशक, लखनऊ एवं मुम्बई से एक सच प्रकाशित एवं प्रयाग, कोलकाता, धर्मपुरी, दिल्ली, विहार, बंगाल, अजमेर एवं गोरखपुर से प्रकाशित

कौशल प्रशिक्षण से परिवार को उन्नत बना सकती हैं ग्रामीण महिलाएं - सीमा सत्यकाम

मंत्र भारत संवाददाता
प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र द्वारा बुधवार को विज्ञान विद्या शाखा द्वारा गोद लिए गांव गोहरी के मोहनगंज फुलवरिया आंगनबाड़ी केंद्र में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षक दिवस के पूर्व दिवस पर साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

महिलाओं का भी विकास होगा और वह सशक्त होंगी। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को बेटीयों की शिक्षा आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। श्रीमती सीमा सत्यकाम ने आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकर्त्रियों प्रियंका पांडे, सुनीता देवी एवं सहायिकाओं राजकुमारी, शांति देवी के साथ-साथ ग्रामीण अंचल की महिलाओं से उनकी शिक्षा तथा कौशल एवं अन्य विषयों पर चर्चा की।

महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी

एवं कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने आंगनबाड़ी के कार्यकर्त्रियों, सहायिकाओं तथा वहां उपस्थित महिलाओं एवं बच्चों को डायरी, पेन आदि वितरित किए। प्रोफेसर श्रुति ने ग्रामीण महिलाओं को शिक्षा के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि एक शिक्षित महिला की भूमिका समाज को सुदृढ़ एवं विकसित बनाने में सहायक होती है।

केंद्र के सहायक प्रभारी एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ त्रिविक्रम

तिवारी ने उन्हें विश्वविद्यालय से जुड़ने के लिए प्रेरित किया तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि एक पढ़ी-लिखी महिला अपने बच्चों की शिक्षा पर स्वयं ध्यान दे सकती है। महिलाओं एवं बेटीयों की साक्षरता आने वाली पीढ़ियों की जर्मि में सहायक होती है। इनके साक्षर होने से समाज एवं राष्ट्र भी उन्नत होगा। धन्यवाद ज्ञापन केंद्र की सहायक प्रभारी डॉ साधना श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर श्रुति, डॉ आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ साधना श्रीवास्तव, डॉ त्रिविक्रम तिवारी, राजेश गौतम, डॉ अनिल कुमार यादव, डॉ धर्मवीर सिंह, डॉ दीपा चौबे, डॉ दीप माला गुप्ता तथा गोहरी प्राथमिक विद्यालय की अध्यापिकाएं एवं ग्रामीण अंचल की महिलाएं तथा बच्चे आदि उपस्थित रहे।



महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी

स्वतंत्र की पहली कल्पना का मन्त्र

स्वतंत्र एवं कल्पना से प्रकाशित

स्वतंत्र भारत

शिक्षक दिवस का शुभकामनाएं

पुस्तक : 3 रुपये

epaper : epaper.swatantrabharat.net

web portal : swatantrabharat.net

‘परिवार को उन्नत बना सकती हैं ग्रामीण महिलाएं’

स्वतंत्र भारत ब्यूरो प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र द्वारा बुधवार को विज्ञान विद्या शाखा द्वारा गोद लिए गांव गोहरी के मोहनगंज फुलवरिया आंगनबाड़ी केंद्र में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षक दिवस के पूर्व दिवस पर साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जागरूकता कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती सीमा सत्यकाम ने कहा कि महिलाएं कौशल से संबंधित शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों से लाभ प्राप्त करके अपने परिवार को उन्नत बना सकती हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अगर शिक्षित प्रशिक्षित किया जाएगा तो उसका लाभ उनके परिवार तथा आसपास के गांव की महिलाओं को भी मिलेगा। जिससे ग्रामीण महिलाओं का भी विकास होगा और वह सशक्त होंगी। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को बेटीयों की शिक्षा आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। श्रीमती सीमा सत्यकाम ने आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकर्त्रियों प्रियंका पांडे, सुनीता देवी एवं सहायिकाओं राजकुमारी, शांति देवी के साथ-साथ ग्रामीण अंचल की महिलाओं से उनकी शिक्षा तथा कौशल एवं अन्य विषयों पर चर्चा की।



कौशल प्रशिक्षण से परिवार को उन्नत बना सकती हैं ग्रामीण महिलाएं - सीमा सत्यकाम

प्रयागराज। प्रयाग प्रभात न्यूज प्रयागराज 04 सितंबर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्व विद्यालय के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र द्वारा बुधवार को विज्ञान विद्या शाखा द्वारा गोद लिए गांव गोहरी के मोहनगंज फुलवरिया आंगनबाड़ी केंद्र में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षक दिवस के पूर्व दिवस पर साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सीमा सत्यकाम ने कहा कि महिलाएं कौशल से संबंधित शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों से लाभ प्राप्त करके अपने परिवार को उन्नत बना सकती हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अगर शिक्षित प्रशिक्षित किया जाएगा तो उसका लाभ उनके परिवार तथा आसपास के गांव की महिलाओं को भी मिलेगा। जिससे ग्रामीण महिलाओं का भी विकास होगा और वह सशक्त होंगी। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को बेटीयों की शिक्षा आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

श्रीमती सीमा सत्यकाम ने आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकर्त्रियों प्रियंका पांडे, सुनीता देवी एवं सहायिकाओं राजकुमारी, शांति देवी के साथ-साथ ग्रामीण अंचल की महिलाओं से उनकी शिक्षा तथा कौशल एवं अन्य विषयों पर चर्चा की। महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी एवं कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने आंगनबाड़ी के कार्यकर्त्रियों, सहायिकाओं तथा वहां उपस्थित महिलाओं एवं बच्चों को डायरी, पेन आदि वितरित किए। प्रोफेसर श्रुति ने ग्रामीण महिलाओं को शिक्षा के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि एक शिक्षित महिला की भूमिका समाज को सुदृढ़ एवं विकसित बनाने में सहायक होती है। केंद्र के सहायक प्रभारी एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ त्रिविक्रम तिवारी ने उन्हें विश्व विद्यालय से जुड़ने के लिए प्रेरित किया तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि एक पढ़ी-लिखी महिला अपने बच्चों की शिक्षा पर स्वयं ध्यान दे सकती है। महिलाओं एवं बेटीयों की साक्षरता आने वाली पीढ़ियों की उन्नति में सहायक होती है। इनके साक्षर होने से समाज एवं राष्ट्र भी उन्नत होगा। धन्यवाद ज्ञापन केंद्र की सहायक प्रभारी डॉ साधना श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर श्रुति, डॉ आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ साधना श्रीवास्तव, डॉ त्रिविक्रम तिवारी, राजेश गौतम, डॉ अनिल कुमार यादव, डॉ धर्मवीर सिंह, डॉ दीपा चौबे, डॉ दीप माला गुप्ता तथा गोहरी प्राथमिक विद्यालय की अध्यापिकाएं एवं ग्रामीण अंचल की महिलाएं तथा बच्चे आदि उपस्थित रहे।

दैनिक

अमृत प्रभात

जनता के सच जनता की आवाज

कौशल प्रशिक्षण से परिवार को उन्नत बना सकती हैं ग्रामीण महिलाएं



अमृत प्रभात, फाफामऊ (नि.सं.)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र द्वारा बुधवार को विज्ञान विद्या शाखा द्वारा गोद लिए गांव गोहरी के मोहनगंज फुलवरिया आंगनबाड़ी केंद्र में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सीमा सत्यकाम ने कहा कि महिलाएं कौशल से संबंधित शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों से लाभ प्राप्त करके अपने परिवार को उन्नत बना सकती हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अगर शिक्षित प्रशिक्षित किया जाएगा तो उसका लाभ उनके परिवार तथा आसपास के गांव की महिलाओं को भी मिलेगा। जिससे ग्रामीण महिलाओं का भी विकास होगा और वह सशक्त होंगी। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को बेटीयों की शिक्षा आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। श्रीमती सीमा सत्यकाम ने आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकर्त्रियों प्रियंका पांडे, सुनीता देवी एवं सहायिकाओं राजकुमारी, शांति देवी के साथ-साथ ग्रामीण अंचल की महिलाओं से उनकी शिक्षा तथा कौशल एवं अन्य विषयों पर चर्चा की।

हिन्दी दैनिक

सहज स्वरूप

राष्ट्रीय एकता के प्रति पूर्ण समर्पित प्रयागराज से प्रकाशित

वर्ष: 3, अंक 243

प्रयागराज गुरुवार 05 सितम्बर, 2024

विक्रम संवत् 2081,

प्रातः संस्कारण, पृष्ठ-8,

मूल्य: 01 रुपया

सुविचार

मनुष्य को झूठ नहीं बोलना चाहिए परन्तु अनावश्यक रूप से अधिपत्य सत्य भी न बोलना चाहिए। उदात्त चिन्तन से वाणी की शक्ति और विश्वसनीयता नष्ट हो जाती है शुभ प्रयास।

कौशल प्रशिक्षण से परिवार को उन्नत बना सकती हैं ग्रामीण महिलाएं - सीमा सत्यकाम



प्रयागराज उत्तर प्रदेश राजकीय टिंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र द्वारा बुधवार को विज्ञान विद्या शाखा द्वारा मोद लिए गांव

गोहरी के मोहनगंज फुलवरिया आंगनवाड़ी केंद्र में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षक दिवस के पूर्व दिवस पर साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

गतिविधि केंद्र की प्रभारी एवं कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने आंगनवाड़ी के कार्यकर्ताओं सहित कार्यकर्ताओं को उपस्थित महिलाओं एवं बच्चों को डायरी, पेन आदि वितरित किए। प्रोफेसर श्रुति ने ग्रामीण महिलाओं को शिक्षा के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि एक शिक्षित महिला की भूमिका समाज को सुदृढ़ एवं विकसित बनाने में सहायक होती है।

केंद्र के सहायक प्रभारी एवं कार्यक्रम के मुख्य सहायक डॉ. त्रिविक्रम तिवारी ने उन्हें विश्वविद्यालय से जुड़ने के लिए प्रेरित किया तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि एक पढ़ी-लिखी महिला अपने बच्चों की शिक्षा पर स्वयं ध्यान दे सकती है। महिलाओं एवं बेटियों की साक्षरता आने वाली पीढ़ियों की उन्नति में सहायक होती है। इनके साक्षर होने से समाज एवं राष्ट्र भी उन्नत होगा। धन्यवाद ज्ञापन केंद्र की सहायक प्रभारी डॉ. साधना श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर श्रुति, डॉ. आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ. साधना श्रीवास्तव, डॉ. त्रिविक्रम तिवारी, राजेश गौतम, डॉ. अनिल कुमार यादव, डॉ. धर्मवीर सिंह, डॉ. दीप माला गुप्ता तथा गोहरी प्राथमिक विद्यालय की अध्यापिकाएं एवं ग्रामीण अंचल की महिलाएं तथा बच्चे आदि उपस्थित रहे।

हिन्दी दैनिक

वर्ष: 18 अंक: 166

नगर संस्कारण,

पृष्ठ - 4,

मूल्य 1.00 रुप

उत्तर प्रदेश

गुरुवार, 05 सितम्बर 2024

प्रयागराज

विचार

18 वर्षों से प्रगति के पथ पर अग्रसर

संयम भारत

कौशल प्रशिक्षण से परिवार को उन्नत बना सकती हैं ग्रामीण महिलाएं - सीमा सत्यकाम

संयम भारत संवाददाता

प्रयागराज, उत्तर प्रदेश राजकीय टिंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र द्वारा बुधवार को विज्ञान विद्या शाखा द्वारा मोद लिए गांव गोहरी के मोहनगंज फुलवरिया आंगनवाड़ी केंद्र में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षक दिवस के पूर्व दिवस पर साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जागरूकता कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सीमा सत्यकाम ने कहा कि महिलाएं कौशल से संबंधित शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों से लाभ प्राप्त करके अपने परिवार को उन्नत बना सकती हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अगर शिक्षित प्रशिक्षित किया जाएगा तो उसका लाभ उनके परिवार तथा आसपास के गांव की महिलाओं को भी मिलेगा। जिससे ग्रामीण महिलाओं का भी विकास होगा और वह सशक्त होंगी। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को बेटियों की शिक्षा आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। श्रीमती सीमा सत्यकाम ने आंगनवाड़ी

केंद्र की कार्यकर्ताओं प्रियंका पांडे, सुनीता देवी एवं सहायिकाओं राजकुमारी, शांति



देवी के साथ-साथ ग्रामीण अंचल की महिलाओं से उनकी शिक्षा तथा कौशल एवं अन्य विषयों पर चर्चा की। महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की

प्रभारी एवं कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने आंगनवाड़ी के कार्यकर्ताओं सहित कार्यकर्ताओं

तथा यहां उपस्थित महिलाओं एवं बच्चों को डायरी, पेन आदि वितरित किए। प्रोफेसर श्रुति ने ग्रामीण महिलाओं को शिक्षा के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि

एक शिक्षित महिला की भूमिका समाज को सुदृढ़ एवं विकसित बनाने में सहायक होती है। केंद्र के सहायक प्रभारी एवं कार्यक्रम के मुख्य सहायक डॉ. त्रिविक्रम तिवारी ने उन्हें विश्वविद्यालय से जुड़ने के लिए प्रेरित किया तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि एक पढ़ी-लिखी महिला अपने बच्चों की शिक्षा पर स्वयं ध्यान दे सकती है। महिलाओं एवं बेटियों की साक्षरता आने वाली पीढ़ियों की उन्नति में सहायक होती है। इनके साक्षर होने से समाज एवं राष्ट्र भी उन्नत होगा। धन्यवाद ज्ञापन केंद्र की सहायक प्रभारी डॉ. साधना श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर श्रुति, डॉ. आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ. साधना श्रीवास्तव, डॉ. त्रिविक्रम तिवारी, राजेश गौतम, डॉ. अनिल कुमार यादव, डॉ. धर्मवीर सिंह, डॉ. दीप माला गुप्ता तथा गोहरी प्राथमिक विद्यालय की अध्यापिकाएं एवं ग्रामीण अंचल की महिलाएं तथा बच्चे आदि उपस्थित रहे।



॥ सरस्वती नः सधगा सयस्करत् ॥

मुक्त चिन्तन

News Letter



30प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

28 सितम्बर, 2024

स्वच्छता जागरुकता कार्यक्रम



उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र के तत्वावधान में विज्ञान विद्याशाखा द्वारा गोद लिये गाँव गोहरी के 09 भिन्न-भिन्न आँगनबाड़ियों में आज दिनांक 28 सितम्बर, 2024 को 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के अन्तर्गत 'स्वच्छता जागरुकता कार्यक्रम' का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में डॉ. आनन्दानन्द त्रिपाठी, सह-प्रभारी महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र ने सभी

का स्वागत किया तथा कार्यक्रम के महत्व के बारे में बताया कि माननीय प्रधानमंत्री ने स्वच्छ भारत मिशन की शुरुआत करते हुये कहा था कि "एक स्वच्छ भारत के द्वारा ही देश 2019 में महात्मा गाँधी की 150वीं जयंती पर अपनी सर्वोत्तम श्रद्धांजली दे सकते हैं।" इस प्रकार 02 अक्टूबर 2014 को स्वच्छ भारत मिशन देश भर में व्यापक तरीके से राष्ट्रीय आंदोलन के रूप में शुरु किया गया। इसी क्रम में इस वर्ष भी 17 सितम्बर 2024 से 02 अक्टूबर 2024 "स्वच्छता ही सेवा" अभियान "स्वाभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता" की थीम के साथ मनाया जा रहा है।

स्वच्छता जागरुकता कार्यक्रम में श्रीमती सीमा सत्यकाम, मुख्य अतिथि रहीं। प्रो. श्रुति ने मुख्य अतिथि को कार्यक्रम के क्रियान्वयन से अवगत कराते हुए बताया कि यह कार्यक्रम 09 अलग-अलग आँगनवाड़ियों में एक साथ संचालित होगा जिसके लिए केन्द्र के सदस्यों को तीन अलग-अलग समूहों में बाँटा गया है। प्रथम समूह में, प्रो. श्रुति, डॉ. दीपा चौबे, श्री राजेश गौतम, डॉ. अनिल कुमार यादव, श्री अंकित मिश्रा, श्री अमित शर्मा, द्वितीय समूह में डॉ. आनन्दानन्द त्रिपाठी, डॉ. साधना श्रीवास्तव, डॉ. धर्मवीर सिंह, डॉ. अब्दुल रहमान, श्री वीरेन्द्र वर्मा, श्री मनीष यादव तथा तृतीय समूह में डॉ. त्रिविक्रम तिवारी, डॉ. अतुल कुमार मिश्रा, डॉ. आर.पी. सिंह, डॉ. दीपमाला गुप्ता, डॉ. सफीना सामवी, श्री अनूप कुमार तथा श्री संतोष हैं। प्रथम समूह आँगनवाड़ी केन्द्र संख्या 02,04 एवं 08, द्वितीय समूह 03, 05 एवं 06 तथा तृतीय समूह केन्द्र संख्या 01,07 एवं 09 में कार्यक्रम को संचालित करेंगे।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि स्वयं प्रथम समूह के साथ आँगनवाड़ी केन्द्रों पर जाकर महिलाओं से परिचय प्राप्त किया तथा उनकी शैक्षिक योग्यता के बारे में बातचीत की तथा उन्हें आगे पढ़ने तथा शिक्षा से होने वाले लाभों के बारे में अवगत कराया। डॉ. दीपा चौबे ने बच्चों एवं महिलाओं को साफ-सफाई आदि के बारे में जागरुक करते हुए बिमारियों से कैसे बचा जाय एवं किस प्रकार से हम अपने स्वास्थ्य का ध्यान साफ-सफाई के माध्यम से कर सकते हैं आदि के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा की।

कार्यक्रम संयोजक प्रो० श्रुति प्रभारी महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र ने ऑगनबाड़ी की कार्यकत्रियों, सहायिकाओं तथा वहाँ उपस्थिति महिलाओं एवं बच्चों को स्वच्छता सामग्री (तौलिया, साबुन, नेल कटर, हैण्डवाश आदि) वितरित किया तथा उनके सूक्ष्म जलपान की व्यवस्था की।



द्वितीय समूह के सदस्यों ऑगनवाड़ी केन्द्रों पर जाकर महिलाओं से परिचय प्राप्त करते हुए उनकी शैक्षिक योग्यता के बारे में बातचीत की तथा उन्हें आगे पढ़ने तथा शिक्षा से होने वाले लाभों के बारे में अवगत कराया। डॉ. धर्मवीर सिंह ने बच्चों एवं महिलाओं को साफ-सफाई आदि के बारे में जागरूक करते हुए बताया कि बिमारियों से कैसे बचा जाय एवं किस प्रकार से हम अपने स्वास्थ्य का ध्यान साफ-सफाई के माध्यम से कर सकते हैं आदि के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा की। द्वितीय समूह के नेतृत्व कर्ता सह प्रभारी महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र डॉ. आनन्दानंद त्रिपाठी ने ऑगनबाड़ी की कार्यकत्रियों, सहायिकाओं तथा वहाँ उपस्थिति महिलाओं एवं बच्चों को स्वच्छता सामग्री (तौलिया, साबुन, नेल कटर, हैण्डवाश आदि) वितरित किया तथा उनके सूक्ष्म जलपान की व्यवस्था की।



तृतीय समूह के सदस्यों ने भी ऑगनवाड़ी केन्द्रों पर जाकर महिलाओं से परिचय प्राप्त करते हुए उनकी शैक्षिक योग्यता के बारे में बातचीत की तथा उन्हें आगे पढ़ने तथा शिक्षा से होने वाले लाभों के बारे में अवगत कराया। डॉ. रविन्द्र प्रताप सिंह ने बच्चों एवं महिलाओं को साफ-सफाई आदि के बारे में जागरूक करते हुए बताया कि बिमारियों से कैसे बचा जाय एवं किस प्रकार से हम अपने स्वास्थ्य का ध्यान साफ-सफाई के माध्यम से कर सकते हैं आदि के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा की। तृतीय समूह के नेतृत्व कर्ता सहायक प्रभारी महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र डॉ. त्रिविक्रम तिवारी ने ऑगनबाड़ी की कार्यकत्रियों, सहायिकाओं तथा वहाँ उपस्थिति महिलाओं एवं बच्चों को स्वच्छता सामग्री (तौलिया, साबुन, नेल कटर, हैण्डवाश आदि) वितरित किया तथा उनके सूक्ष्म जलपान की व्यवस्था की।

मुक्ता चिन्तन

कार्यक्रम के समापन में डॉ. साधना श्रीवास्तव ने समस्त उपस्थिति लोगों का धन्यवाद किया। तथा इस धन्यवाद ज्ञापन के उपरांत कार्यक्रम का समापन हुआ।



इस अवसर पर कार्यक्रम की मुख्य अतिथि, श्रीमती सीमा सत्यकाम, कार्यक्रम की संयोजक प्रोफेसर श्रुति, प्रभारी महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र, सह प्रभारी डॉ. आन्नदानंद त्रिपाठी, सहायक प्रभारी डॉ. साधना श्रीवास्तव एवं डॉ. त्रिविक्रम तिवारी तथा सदस्य श्री राजेश गौतम, डॉ अनिल कुमार यादव, डॉ. धर्मवीर सिंह, डॉ. दीपा चौबे, डॉ. दीपमाला गुप्ता, तथा कार्यक्रम सहयोगी श्री अंकित मिश्रा, श्री वीरेन्द्र वर्मा, श्री अनूप कुमार, श्री अमित शर्मा, श्री मनीष यादव व श्री संतोष कुमार के साथ साथ समस्त आँगनवाड़ियों की कार्यकर्त्रियों, श्रीमती विमलेश मिश्रा, मीरा पाल, कंचन गुप्ता, सविता देवी, सुनीता पाण्डेय, विद्यादेवी, मीरा पाण्डेय, प्रियंका पाण्डेय तथा सविता मौर्या एवं सहायिकाओं राजकुमारी, शान्ति देवी, मंजू पाल, सन्नो देवी, मालती देवी, सविता दुबे तथा ग्रामीण अंचल की महिलायें एवं बच्चें उपस्थित रहे। उपरोक्त कार्यक्रम में सभी ने पूर्ण मनोयोग से स्वच्छता जागरुकता कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी भूमिका निभायी।



कार्यक्रम के सफल आयोजन में कुलसचिव श्री विनय कुमार, वित्त अधिकारी श्रीमती पूनम मिश्रा एवं विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गाँव गोहरी के निदेशक प्रो० आशुतोष गुप्ता का अत्यन्त महत्वपूर्ण योगदान रहा।

कार्यक्रम का आयोजन ग्रामीण महिलाओं एवं बच्चों के बीच स्वच्छता को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से आँगनबाड़ी में आयोजित किया गया।



उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

स्व-सेवा जागरुकता कार्यक्रम

दिनांक 28/07/2024

संयोजक- महिला अध्ययन केन्द्र

ऑगनबाड़ी केन्द्र: 02

कार्यकर्त्री का नाम: 1. गीता पाठ

2. 9651540530

सहायिका का नाम: 1. रत्न देवी

2.

उपस्थिति प्रत्रक

क्र.सं.	नाम	हस्ताक्षर	क्र.सं.	नाम	हस्ताक्षर
1	दीपिका		21	आशा	
2	लासा		22	चांद	
3	रामा		23	राधा	
4	मानवी		24	गुलशन	
5	वशिता		25	अषा	
6	रंजना		26	शर्मिला	
7	मोहनी		27	गीता	
8	कृतिका		28	शीला	
9	पिशा		29	पुष्पकली	
10	पिशा		30	चमेली	
11	माती		31	लज्जा देवी	
12	माती		32	युद्धा देवी	
13	अशुभा		33	शारदा	
14	अशुभा		34	शीला देवी	
15	आदेश		35	अगीला देवी	
16	नीति		36	अशुभा	
17	आदेश		37	इन्द्रावती	
18	अनु		38	पुष्पा	
19	मानवी		39	मनीषा	
20	दृष		40	गीता देवी	



प्रभारी

महिला अध्ययन केन्द्र

संयोजक- महिला अध्ययन केन्द्र
 आँगनवाड़ी केन्द्र:
 कार्यकर्त्री का नाम: १. सुनीता पाण्डेय साहेबी ५
 सहायिका का नाम: १.
 २.....
 २.....

उपस्थिति प्रत्रक

क्र.सं.	नाम	हस्ताक्षर	क्र.सं.	नाम	हस्ताक्षर
1	सुनीता पाण्डेय	सुनीता	21	
2	22	
3	विष्णा देवी	विष्णा	23	
4	संगीता	संगीता	24	
5	खुरी	खुरी	25	
6	शिवा	शिवा	26	
7	रशमी	रशमी	27	
8	केवी कनौजिया	केवी	28	
9	विप्रास	विप्रास	29	
10	सरिता	सरिता	30	
11	सुनिता	सुनिता	31	
12	सेवा	सेवा	32	
13	33	
14	34	
15	35	
16	36	
17	37	
18	38	
19	39	
20	40	


 प्रभारी
 महिला अध्ययन केन्द्र

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

संस्कृत जागरूकता कार्यक्रम

संयोजक- महिला अध्ययन केन्द्र, 03, 05, 06, गौहर, कोडिंगांक 28/09/2024
 ऑगनबाडी केन्द्र: गौहर उ

कार्यकर्त्री का नाम: 1. कंचन मुखर्जी 2.
 सहायिका का नाम: 1. अरुण 2.

उपस्थिति पत्रक

क्र.सं.	नाम	हस्ताक्षर	क्र.सं.	नाम	हस्ताक्षर
1	अर्चना देवी	अर्चना देवी	21	कल्पना	कल्पना
2	गुडी	गुडी	22		
3	शान्ती	शान्ती	23	वीता	शीता
4	सोना	सोना	24	कौमला	कौमला
5	मनीषा	मनीषा	25	विद्या	विद्या
6	सुमिता	सुमिता	26	शशि	शशि
7	गीता	गीता	27	रिद्धा	रिद्धा
8	मालती	मालती	28	रितिका	गीता
9	वीना	वीना	29	कनका	हर्षि
10	अंशु		30	रवी	रवी
11			31	मरीष	मरीष
12	राजकुमारी	अंशु	32	हर्षिता	मरीष
13			33	हर्षिता	हर्षिता
14			34	सविधा	सविधा
15	नति	नती	35	रंध्या	रंध्या
16	मनीषा	मनीषा	36	अर्पिता	अर्पिता
17	सुमिता	सुमिता	37	मवी	विजय
18			38	विजय	अर्पिता
19	पुष्पिका		39	उपसरी	सुशीला
20			40	सुशीला	सुशीला

सुशीला सुशीला

(Signature)

प्रभारी
 महिला अध्ययन केन्द्र

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम

दिनांक 28/09/2024

संयोजक- महिला अध्ययन केन्द्र

ऑगनवाडी केन्द्र: गाँधी VI

कार्यकर्त्री का नाम: 1. विद्या देवी

2. _____

सहायिका का नाम: 1. मालती देवी

2. _____

उपस्थिति प्रत्रक

क्र.सं.	नाम	हस्ताक्षर	क्र.सं.	नाम	हस्ताक्षर
1	सम्पू देवी	सम्पू देवी	21	प्रियां	
2	अउदी		22	रिधा	
3			23	मकं	
4	सुष्मा		24	संध्या	
5			25	अनन्य	
6	किरन		26	आरि	
7	मालती देवी		27	आरिती	
8	रिमी		28	लाडी	
9	विष्णु		29	पक्क	
10	शैलाम		30	पुजा	
11	सुभन		31	निपासी	
12	नल्पना		32	सगर	
13	सोनी		33	सखिक	
14	पुजा		34	मान्या	
15	सीमा		35	वेश	
16	शनि		36	यश	
17	धुवराज		37	दिव्याशु	
18	अधुवरा		38	प्रतिक	
19	आपेश		39	सुरेश	
20	मीठी		40	लव	



प्रभारी

महिला अध्ययन केन्द्र



उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

स्व-सहायता जागरूकता कार्यक्रम

दिनांक 28/09/24

संयोजक- महिला अध्ययन केन्द्र

ऑगनबाड़ी केन्द्र: मिनी केन्द्र

कार्यकर्त्री का नाम: 1. सविता कुशवाह

2.....

सहायिका का नाम: 1.....

2.....

उपस्थिति प्रत्रक

क्र.सं.	नाम	हस्ताक्षर	क्र.सं.	नाम	हस्ताक्षर
1	शिवांश		21	अनेव	
2	सुमित		22	धमराज	
3	अनुराग		23	दृश्य पटेल	
4	शिवांश		24	अनीता पटेल	
5	पिपूष		25	सुशीला देवी	
6	कार्तिक		26	सुनीता	
7	सिद्धि		27	जिजाशी	
8	रिद्धि		28	रानी	
9	उत्कर्ष		29	संगीता	
10	ज्योतिंश		30	मनोरमा	
11	राज-गौतम		31	रेनु	
12	अनिरुद्र		32	संपूर्ण देवी	
13	अराध्या		33	सावित्री	
14	विराज		34	संगीता	
15	रानी		35	नादिनी	
16	स्नेह		36	नील	
17	निरांश		37	सु-दरी	
18	माही		38	काविता	
19	आपुश		39	सीमा	
20	अभूत		40		



प्रभारी

महिला अध्ययन केन्द्र

संयोजक- महिला अध्ययन केन्द्र
 आँगनबाड़ी केन्द्र:

कार्यकर्त्री का नाम: 1. विमलेश मिश्रा
 सहायिका का नाम: 1. मिथलेश शर्मा

2.....
 2.....

उपस्थिति प्रत्रक

क्र.सं.	नाम	हस्ताक्षर	क्र.सं.	नाम	हस्ताक्षर
1	सुकवली		21	शिवांशु	
2	राशि		22	सुमित	
3	समर		23	गोबू	
4	मयंक मौया		24	सलेमी	
5	सरोज देवी		25	सुजाता	
6	पुनीत		26	शिवांश	
7	अंशी		27	शुभि	
8	शुद्धी देवी		28	शिवांशी	
9	सौम्या मौया		29	प्रियांश	
10	आरती		30	पंकज	
11	मयंक		31	सुदानी	
12	संजु मौया		32	शुभम	
13	रेशनी देवी		33	अभि	
14	अकाक्षा		34		
15	आर्यन		35		
16	आपूष		36		
17	धर्मा देवी		37		
18	सोनिषा वर्मा		38		
19	आनन्द राज गौतम		39		
20	पूर्वी वर्मा		40		

Shashi

प्रभारी

महिला अध्ययन केन्द्र

संयोजक- महिला अध्ययन केन्द्र
 आगनवाड़ी केन्द्र

दिनांक 22/01/24

कार्यकर्ता का नाम: 1. गीता पाण्डेय
 सहायिका का नाम: 1. शविता देवी

2.....
 2.....

उपस्थिति प्रपत्रक

क्र.सं.	नाम	हस्ताक्षर	क्र.सं.	नाम	हस्ताक्षर
1	मिथल		21	रन्नी	
2	दिव्यांश - I		22	गनोरमा	
3	आरुणा		23	पिंकी	
4	नन्दी		24	नन्दी	
5	अन-या - I		25		
6	आश		26		
7	अयोश - I		27		
8	पिंकी		28		
9	पत्ते		29		
10	दिव्यांश - II		30		
11	शुभम		31		
12	सोभा		32		
13	स्वराज		33		
14	अन-या - II		34		
15	धिगर		35		
16	अनुराग		36		
17	अयोश - II		37		
18	गीता देवी		38		
19	अनुरागी देवी		39		
20	कपन सरोज		40		



प्रभारी

महिला अध्ययन केन्द्र

संयोजक- महिला अध्ययन केन्द्र

दिनांक 28-9-24

ऑगनबाड़ी केन्द्र:सं.पं.सं.१.....

कार्यकर्त्री का नाम: 1. प्रियंका पाठक

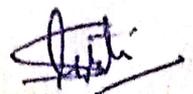
2. प्रियंका पाठक

सहायिका का नाम: 1. सलजुमारी

2. सलजुमारी

उपस्थिति प्रत्रक

क्र.सं.	नाम	हस्ताक्षर	क्र.सं.	नाम	हस्ताक्षर
1	सुषमा प्रजापति		21	साक्षी	
2	अन्नु देवी		22	प्रवीण	
3	कविता शीर्षा		23	काशु	
4	नीशा		24	इन्मपा	
5	अशुभ गौरी		25	समृति	
6			26	प्रियांका	
7			27	रितीका	
8			28	शिवाजी	
9			29		
10			30		
11			31		
12			32		
13			33		
14			34		
15			35		
16			36		
17			37		
18			38		
19			39		
20			40		



प्रभारी

महिला अध्ययन केन्द्र



पोजक- महिला अध्ययन केन्द्र

गानबाड़ी केन्द्र: 04

कार्यकर्त्री का नाम: 1 सुनीता देवी
सहायिका का नाम: 1 शूल देवी

2 सुनीता देवी
2 शूल देवी

उपस्थिति प्रत्रक

क्र.सं.	नाम	हस्ताक्षर	क्र.सं.	नाम	हस्ताक्षर
1	सुनीता देवी	सुनीता देवी	21	सुनीता देवी	सुनीता देवी
2	सुषमा प्रजापति	सुषमा प्र	22	शूल देवी	सुषमा प्र
3	प्रशाप कुमारी		23	आयन्त	
4	सपना मोदी		24	डिपानसा	
5	मजू देवी		25	अनाथा	
6			26	सिपा	
7			27	आदिका	
8			28	डिपा	
9			29	रितिक	
10			30	वैभव	
11			31	रुमाक	
12			32	आसा	
13			33	वेद	
14			34		
15			35		
16			36		
17			37		
18			38		
19			39		
20			40		

प्रशापि



उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

विश्वविद्यालय परिसर, शान्तिपुरम (सेक्टर-एफ), फाफामऊ

प्रयागराज - 211021

मो. : 7525048031

ई-मेल : registrar.uprtou@gmail.com

कुलसचिव

पत्रांक : ओ.यू./ 978 /2024

दिनांक 25-09-2024

सेवा में,

बाल विकास परियोजना अधिकारी
सोरांव, प्रयागराज

महोदय,

कृपया विश्वविद्यालय के संलग्न पत्रांक ओ.यू./969/2024 दिनांक 24-09-2024 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके द्वारा अवगत कराया गया था कि इस विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र के तत्वावधान में "स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान" के अन्तर्गत दिनांक 28 सितम्बर, 2024 को गोहरी, बेचू का पूरा, मोहनगंज आँगनबाड़ियों (केन्द्र संख्या 03,04,05,06,07,08 एवं 09) में 'स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम' का आयोजन सुनिश्चित हुआ है।

इस सम्बन्ध में अवगत कराना है कि प्रश्नगत कार्यक्रम का आयोजन गोहरी, बेचू का पूरा, मोहनगंज आँगनबाड़ियों (केन्द्र संख्या 03,04,05,06,07,08 एवं 09) के अतिरिक्त आँगनबाड़ी केन्द्र संख्या 01 एवं 02 में भी आयोजित किया जाना है।

अतः अनुरोध है कि कृपया दिनांक 28 सितम्बर, 2024 को उक्त कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु गोहरी, बेचू का पूरा, मोहनगंज आँगनबाड़ियों (केन्द्र संख्या 01, 02, 03, 04, 05, 06, 07, 08 एवं 09) को अपने स्तर से निर्देशित करने का कष्ट करें।

भवदीय,

संलग्नक : उक्तवत्

(विनय कुमार)

कुलसचिव

पृ. संख्या : ओ.यू./ 978(v)/2024

तद् दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. जिला कार्यक्रम अधिकारी, प्रयागराज को इस आशय से प्रेषित कि कृपया उक्त कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु सम्बन्धित को अपने स्तर से निर्देशित करने का कष्ट करें।

2. प्रो. श्रुति, प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र, उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।

(विनय कुमार)

कुलसचिव

कार्यक्रम की झलकियाँ



Gohari, Uttar Pradesh, India
Unnamed Road, Santika Pura, Gohari, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.554403°
Long 81.862223°
28/09/24 11:28 AM GMT +05:30



Gohari, Uttar Pradesh, India
Unnamed Road, Santika Pura, Gohari, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.554411°
Long 81.862223°
28/09/24 11:25 AM GMT +05:30



Gohari, Uttar Pradesh, India
HV47+VPR, Gohari, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.556957°
Long 81.864608°
28/09/24 11:23 AM GMT +05:30



Gohari, Uttar Pradesh, India
Unnamed Road, Santika Pura, Gohari, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.554403°
Long 81.862223°
28/09/24 11:28 AM GMT +05:30



Gohari, Uttar Pradesh, India
Unnamed Road, Santika Pura, Gohari, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.554411°
Long 81.862223°
28/09/24 11:24 AM GMT +05:30



Gohari, Uttar Pradesh, India
HV47+VPR, Gohari, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.556957°
Long 81.864608°
28/09/24 11:23 AM GMT +05:30



Gohari, Uttar Pradesh, India
Unnamed Road, Santika Pura, Gohari, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.554403°
Long 81.862223°
28/09/24 11:28 AM GMT +05:30



Gohari, Uttar Pradesh, India
HV47+VPR, Gohari, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.556957°
Long 81.864608°
28/09/24 11:23 AM GMT +05:30



Gohari, Uttar Pradesh, India
HV47+VPR, Gohari, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.556957°
Long 81.864608°
28/09/24 11:23 AM GMT +05:30



Gohari, Uttar Pradesh, India
HV35+M58, Santipuram Gohri Rd, Gohari, Uttar Pradesh 2110
Lat 25.554935°
Long 81.857309°
28/09/24 12:08 PM GMT +05:30



Gohari, Uttar Pradesh, India
HV35+M58, Santipuram Gohri Rd, Gohari, Uttar Pradesh 2110
Lat 25.554889°
Long 81.857299°
28/09/24 11:59 AM GMT +05:30



Gohari, Uttar Pradesh, India
HV35+M58, Santipuram Gohri Rd, Gohari, Uttar Pradesh 2110
Lat 25.554886°
Long 81.857296°
28/09/24 11:58 AM GMT +05:30



Gohari, Uttar Pradesh, India
HV35+M58, Santipuram Gohri Rd, Gohari, Uttar Pradesh 2110
Lat 25.55494°
Long 81.857335°
28/09/24 12:05 PM GMT +05:30



Gohari, Uttar Pradesh, India
HV35+M58, Santipuram Gohri Rd, Gohari, Uttar Pradesh 2110
Lat 25.554946°
Long 81.857342°
28/09/24 12:03 PM GMT +05:30



Gohari, Uttar Pradesh, India
Unnamed Road, Santika Pura, Gohari, Uttar Pradesh 211013,
Lat 25.554403°
Long 81.862223°
28/09/24 11:28 AM GMT +05:30



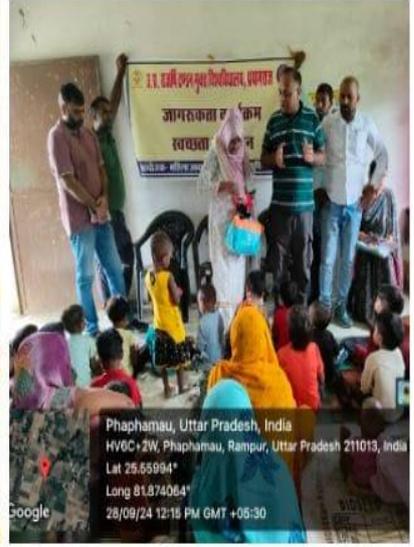
Gohari, Uttar Pradesh, India
HV35+M58, Santipuram Gohri Rd, Gohari, Uttar Pradesh 2110
Lat 25.554939°
Long 81.857333°
28/09/24 12:04 PM GMT +05:30



Gohari, Uttar Pradesh, India
HV35+M58, Santipuram Gohri Rd, Gohari, Uttar Pradesh 2110
Lat 25.554886°
Long 81.857296°
28/09/24 11:58 AM GMT +05:30



Gohari, Uttar Pradesh, India
Unnamed Road, Santika Pura, Gohari, Uttar Pradesh 211013,
Lat 25.554403°
Long 81.862223°
28/09/24 11:28 AM GMT +05:30





Prayagraj, Uttar Pradesh, India
HV75+MV3, road, Prayagraj, Gohari, Uttar Pradesh 211013,
Lat 26.562526°
Long 81.860367°
28/09/24 11:28 AM GMT +05:30



Prayagraj, Uttar Pradesh, India
HV75+MV3, road, Prayagraj, Gohari, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 26.562565°
Long 81.860407°
28/09/24 11:38 AM GMT +05:30



Prayagraj, Uttar Pradesh, India
HV75+MV3, road, Prayagraj, Gohari, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 26.562407°
Long 81.860266°
28/09/24 11:08 AM GMT +05:30



Prayagraj, Uttar Pradesh, India
HV75+MV3, road, Prayagraj, Gohari, Uttar Pradesh 211013,
Lat 26.56252°
Long 81.860293°
28/09/24 11:17 AM GMT +05:30



Prayagraj, Uttar Pradesh, India
HV75+MV3, road, Prayagraj, Gohari, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 26.562537°
Long 81.860306°
28/09/24 11:34 AM GMT +05:30



Prayagraj, Uttar Pradesh, India
HV75+MV3, road, Prayagraj, Gohari, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 26.562518°
Long 81.860383°
28/09/24 11:27 AM GMT +05:30



Prayagraj, Uttar Pradesh, India
HV75+MV3, road, Prayagraj, Gohari, Uttar Pradesh 211013,
Lat 26.562521°
Long 81.860401°
28/09/24 11:33 AM GMT +05:30



Prayagraj, Uttar Pradesh, India
HV75+MV3, road, Prayagraj, Gohari, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 26.562528°
Long 81.860293°
28/09/24 11:33 AM GMT +05:30

